बैंकों द्वारा मंजूर और नामंजूर किये गये आवेदनों का ब्यौरा निम्नलिखित है :—

1. शिक्षित बेरोजगार युवकों को रोजगार दिलाने की योजना (एस० ई० ई० यू० वाई०) :

क्रमांक	वर्ष	जिला उद्योग केंद्रों में प्राप्त आवेदनों की संख्या	बैंकों द्वारा स्वीकृत आवेदनों की संख्या	बैंकों द्वारा अस्वीकृत आवेदनों की संख्या
1.	1992–93	39344	10013	2987
2.	1993–94	38453	8918	7332

2. प्रधान मंत्री की रोजगार योजना (पी० ए० एम० आर० आई०) :

1.	1992–93	योजना आरंभ ही नहीं हुई थी ।		
2.	1993–94	26851	3989	431

उद्योग विहीन जिले

6988. श्री ईशदत्त यादव : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार उद्योग विहीन जिलों के संबंध में किस आधार पर निर्णय करती है और इस संबंध में मापदंड क्या हैं ;

(ख) उन्हें किस तरह से सहायता प्रदान की जाती है ; और

(ग) पिछले दो वर्षों के दौरान सरकार द्वारा कितने उद्योग विहीन जिलों में उद्योग खोले गये हैं और इस संबंध में राज्यवार ब्यौरा क्या है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) जिला उद्योग केन्द्र कार्य योजना, 1979–80 के अनुसार जिन जिलों में कोई बड़ा अथवा मझोला उद्योग नहीं है उन्हें "उद्योग हित जिले" के रूप में वर्गीकृत किया गया था । देश में कुल 93 जिलों को "उद्योग रहित जिले" माना गया है ।

(ख) केन्द्र सरकार उद्योग रहित जिलों में बुनियादी सुविधाओं की एक योजना चला रही थी जिसके अंतर्गत परियोजना लागत की एक तिहायी धनराशि भारत सरकार द्वारा दी जाती थी । 1988 में नयी विकास केन्द्र योजना शुरू होने से "उद्योग रहित जिलों" के लिए यह योजना समाप्त कर दी गई है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

देश में तिलहनों की पिरायी क्षमता

6989. श्री राम जेठमलानी :
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पिछले वर्षों से देश में तिलहनों के पर्याप्त उत्पादन से तिलहन